



भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)



भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
जुलाई 2026 के दौरान वर्षा और तापमान का मासिक पूर्वानुमान
Monthly Outlook for Rainfall and Temperature during July 2026

मुख्य बातें

- क) **भारत में वर्षा** - जुलाई 2026 के दौरान पूरे देश में औसत मासिक वर्षा सामान्य से नीचे (दीर्घावधि औसत (LPA) का <94%) होने की सबसे अधिक संभावना है। 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर, जुलाई में पूरे देश में बारिश का एलपीए/LPA लगभग 280.4 मिमी है। क्षेत्र के हिसाब से देखें तो देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है, सिवाय उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व भारत, पूर्वी-मध्य भारत और पूर्वी प्रायद्वीपीय क्षेत्र के कुछ इलाकों के, जहाँ सामान्य या उससे ज्यादा बारिश होने की उम्मीद है।
- ख) **भारत में सतही वायु तापमान** - जुलाई 2026 में, भारत के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की उम्मीद है, सिवाय पश्चिम-मध्य भारत की कुछ अलग-थलग जगहों के, जहाँ अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है। वहीं, देश के ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से ज्यादा रहने की उम्मीद है, सिवाय मध्य और पूर्वोत्तर भारत की कुछ अलग-थलग जगहों के, जहाँ न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है।
- ग) **समुद्र की सतह का तापमान (एसएसटी/sst)** - अभी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में कमजोर अल-नीनो (El Niño) की स्थिति बनी हुई है। मॉनसून मिशन क्लाइमेट फोरकास्ट सिस्टम (एमएमसीएफएस/MMCFS) और अन्य वैश्विक जलवायु मॉडलों के नवीनतम पूर्वानुमान बताते हैं कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सीज़न के दौरान अल-नीनो की स्थिति और मजबूत होने की संभावना है। अभी हिंद महासागर में तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव / न्यूट्रल इंडियन ओशन डाइपोल (ओआईडी/IOD) की स्थिति बनी हुई है। MMCFS और अन्य वैश्विक जलवायु मॉडल के पूर्वानुमान बताते हैं कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सीज़न के दौरान तटस्थ IOD की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

IMD जुलाई 2026 के आखिर में सीज़न के दूसरे भाग (अगस्त + सितंबर 2026) और अगस्त महीने के लिए वर्षा का पूर्वानुमान जारी करेगा।

जुलाई 2026 के दौरान बारिश और तापमान का मासिक पूर्वानुमान

1. पृष्ठभूमि

2021 से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) देश भर में वर्षा और तापमान के लिए मासिक और ऋतुनिष्ठ स्तर पर सक्रियात्मक दीर्घावधि पूर्वानुमान जारी करने के लिए एक नई रणनीति का इस्तेमाल कर रहा है। इसके लिए, हाल ही में विकसित मल्टी मॉडल एनसेंबल-एमएमई (MME) पूर्वानुमान प्रणाली का उपयोग किया जाता है। MME प्रणाली विभिन्न वैश्विक जलवायु पूर्वानुमान और अनुसंधान केंद्रों से प्राप्त कपल्ड ग्लोबल क्लाइमेट मॉडल सीजीसीएम (CGCMs) के अनुकार/सिमुलेशन का उपयोग करती है, जिसमें IMD का मॉनसून मिशन क्लाइमेट फोरकास्टिंग सिस्टम एमएमसीएफएस (MMCFS) मॉडल भी शामिल है।

IMD ने 13 अप्रैल को देश में 2026 के दक्षिण (जून से सितंबर) पश्चिम मॉनसून सीजन-की बारिश के लिए पहला पूर्वानुमान जारी किया था और 29 मई 2026 को पूर्वानुमान का अपडेट जारी किया था। इसके अलावा, IMD ने 29 मई 2026 को जून के दौरान की बारिश का पूर्वानुमान भी जारी किया था। जुलाई 2026 के दौरान देश में वर्षा और तापमान का मासिक पूर्वानुमान और जुलाई 2026 के महीने में देश में उष्ण लहर/हीटवेव का पूर्वानुमान नीचे (लू) दिया गया है।

2. जुलाई 2026 के दौरान वर्षा का संभावित पूर्वानुमान

जुलाई 2026 में पूरे देश में औसत मासिक वर्षा के सामान्य से नीचे दीर्घावधि औसत (LPA) का (<94%) रहने की सबसे अधिक संभावना है। 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर, जुलाई में पूरे देश में वर्षा का LPA लगभग 280.4 मिमी है।

जुलाई 2026 के लिए देश भर में वर्षा की टर्साइल श्रेणियों सामान्य से अधिक), सामान्य और सामान्य से नीचे के स्थानिक वितरण का संभावित पूर्वानुमान चित्र (1. में दिखाया गया है। जुलाई 2026 में पूरे देश में औसत मासिक वर्षा के सामान्य से नीचे रहने की सबसे अधिक संभावना है। जुलाई 2026 में पूरे देश में औसत मासिक बारिश सामान्य से कम रहने की सबसे ज़्यादा संभावना है। हालांकि, उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व भारत, पूर्वी-मध्य भारत और पूर्वी प्रायद्वीपीय क्षेत्र के कुछ इलाकों में सामान्य या सामान्य से ज़्यादा बारिश होने की संभावना है। देश के ज़मीनी हिस्से में सफेद रंग से दिखाए गए क्षेत्रों के लिए मॉडल से कोई संकेत नहीं मिला है।

सामान्य से नीचे वर्षा खेती, जल संसाधनों, पनबिजली उत्पादन, पारिस्थितिकी तंत्र/इकोसिस्टम की स्थिरता और पीने के पानी की उपलब्धता के लिए बड़ी चुनौतियां पैदा कर सकती है। ऐसी स्थितियों से कई क्षेत्रों में सूखे जैसी स्थिति, गर्मी का तनाव और उपलब्ध जल संसाधनों पर दबाव का खतरा बढ़ सकता है। संभावित प्रभावों को कम करने के लिए, संबंधित एजेंसियों और हितधारकों द्वारा समय पर योजना बनाने और तैयारी के उपाय किए जा सकते हैं, जिनमें जल संरक्षण, उपलब्ध जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन और खेती से जुड़े उपयुक्त आपातकालीन उपाय शामिल हैं। हितधारकों द्वारा समय पर तैयारी और समन्वित कार्रवाई से बारिश की कमी से निपटने की क्षमता बढ़ सकती है। IMD कई तरह की मौसम और जलवायु सेवाएं प्रदान करता है, जिनमें ऋतुनिष्ठ मानसून पूर्वानुमान, विस्तारित अवधि के पूर्वानुमान-, ज़िला-

स्तरीय मौसम पूर्वानुमान, कृषिमौसम संबंधी सलाह सेवाएं-, और प्रभावआधारित पूर्वानुमान तथा - शुरुआती चेतावनी शामिल हैं। ये सेवाएं किसानों, जल संसाधन प्रबंधकों, आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, बिजली क्षेत्र के योजनाकारों और अन्य हितधारकों को सही निर्णय लेने में मदद करती हैं। IMD के पूर्वानुमानों और शुरुआती चेतावनी सेवाओं का प्रभावी उपयोग सामान्य से नीचे बारिश की स्थितियों से जुड़े जोखिमों को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

3. जुलाई 2026 के लिए तापमान का संभावित पूर्वानुमान

चित्र 2ए और 2बी में क्रमशः जुलाई 2026 के लिए अधिकतम और न्यूनतम तापमान की संभावित संभावनाएँ दिखाई गई हैं। जुलाई 2026 (2a) के दौरान, देश के ज्यादातर हिस्सों में महीने का अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना है, सिवाय पश्चिम-मध्य भारत के कुछ अलग-थलग इलाकों के, जहाँ अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की उम्मीद है। देश के ज़मीनी हिस्से में सफ़ेद रंग से दिखाए गए इलाकों के लिए मॉडल से कोई संकेत नहीं मिला है। जुलाई 2026 के दौरान, देश के ज्यादातर हिस्सों में महीने का न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना है (चित्र 2b), सिवाय मध्य और पूर्वोत्तर भारत के कुछ अलग-थलग इलाकों के, जहाँ न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की उम्मीद है। देश के ज़मीनी इलाके में सफ़ेद रंग से दिखाए गए हिस्सों के लिए मॉडल से कोई संकेत नहीं मिला है।

4. प्रशांत और हिंद महासागर में समुद्री सतह तापमान एसएसटी/SST की स्थिति

वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में कमजोर अल-नीनो की स्थिति बनी हुई है। मॉनसून मिशन क्लाइमेट फोरकास्ट सिस्टम (MMCFS) और दूसरे ग्लोबल क्लाइमेट मॉडल के हालिया अनुमान बताते हैं कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सीज़न के दौरान अल-नीनो की स्थिति और मजबूत होने की संभावना है।

वर्तमान में, हिंद महासागर में न्यूट्रल इंडियन ओशन डाइपोल (IOD) की स्थिति बनी हुई है। MMCFS और दूसरे ग्लोबल क्लाइमेट मॉडल के अनुमान बताते हैं कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सीज़न के दौरान न्यूट्रल IOD की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

5. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान और लघु से मध्यम रेंज पूर्वानुमान सेवाएं

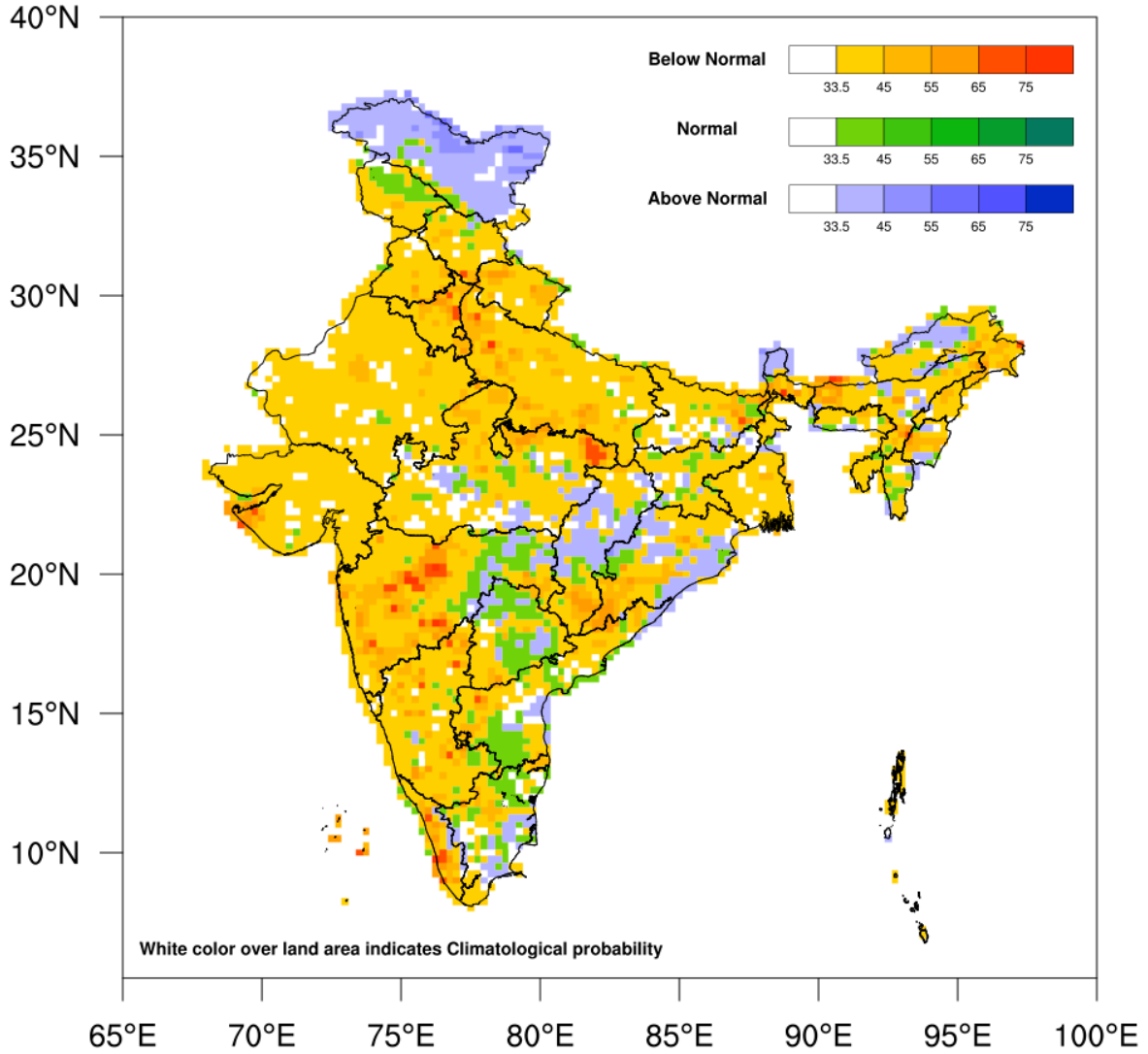
IMD देश भर में वर्षा, अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान के लिए नियमित रूप से **विस्तारित रेंज पूर्वानुमान** अगले चार हफ़्तों के लिए) 7-दिन का औसत अनुमान भी तैयार करता है और उपलब्ध कराता है। ये अनुमान हर हफ़्ते बृहस्पतिवार को अपडेट किए जाते हैं।

ये अनुमान 'मल्टीमॉडल एनसेंबल डायनामिक-ल एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्टिंग सिस्टम' पर आधारित हैं, जो अभी IMD में काम कर रहा है। ये अनुमान IMD की वेबसाइट https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforecast.php पर उपलब्ध हैं।

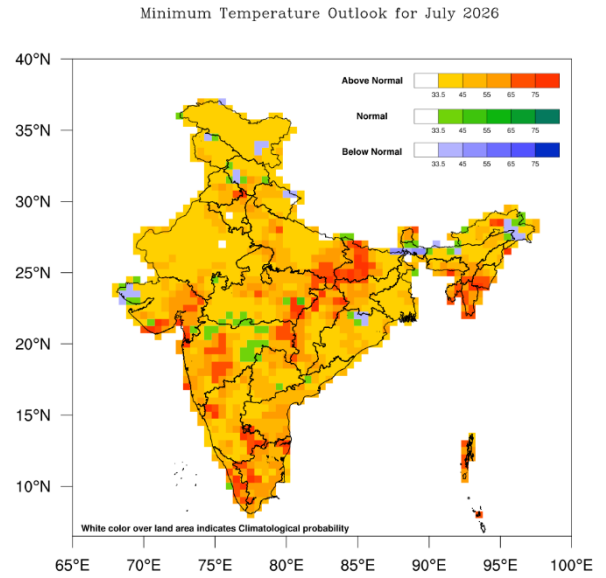
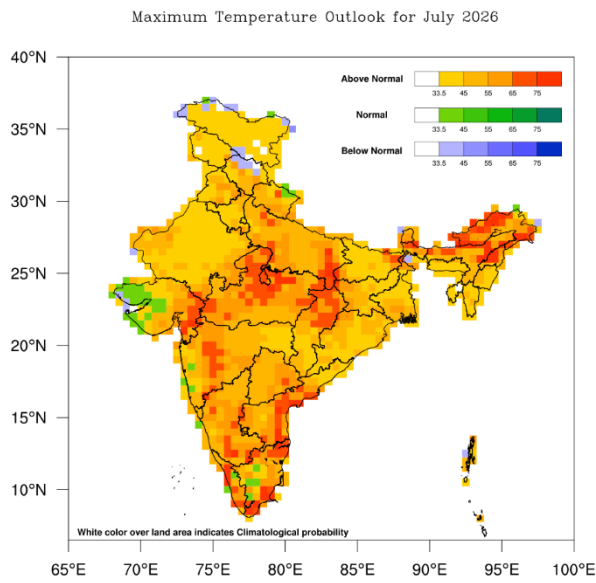
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के बाद, अलगरिज़ॉल्यूशन वाले ग्लोबल और -अलग बहुत हाई-रीजनल मॉडल के आधार पर रोज़ानालघु से मध्यम रेंज पूर्वानुमान जारी किए जाते हैं। ये अनुमान

IMD की वेबसाइट https://nwp.imd.gov.in/gfsproducts_cycle00_mausam.php पर उपलब्ध हैं।

probability rainfall forecast for 2026 July



चित्र 1. जुलाई 2026 के दौरान भारत में वर्षा की टर्साइल कैटेगरी सामान्य से) *नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिकका संभावना पूर्वानुमान। देश के ज़मीनी हिस्से में सफ़ेद रंग से दिखाए गए इलाकों (* के लिए मॉडल से कोई संकेत नहीं मिला है। टर्साइल कैटेगरी की जलवायवी संभावना बराबर होती है, जो हर एक के लिए 33.33% है।



चित्र 2ए. जुलाई 2026 के लिए अधिकतम तापमान का संभावना पूर्वानुमान।

चित्र 2बी. जुलाई 2026 के लिए न्यूनतम तापमान का संभावना पूर्वानुमान।